हिन्दुस्तान

रिपोर्ट | पांच साल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले देश में, राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक की रिपोर्ट जारी

यूपी गरीबी कम करने में सभी राज्यों में अव्वल

लखनऊ, विशेष संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 3 करोड़ 42 लाख 72484 लोग बहुस्तरीय गरीबी से बाहर आ गए हैं। इस कारण 2015-16 के मुकाबले 2019-21 में यूपी में कुल आबादी में गरीबों का प्रतिशत 37.68 से घटकर 22.93 हो गया है। गरीबों की संख्या घटाने के मामले में यूपी देश में अव्वल रहा है। इसके बाद बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा व राजस्थान रहे हैं। वहीं देश में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

यह तथ्य राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आए हैं। नीति आयोग ने सोमवार को सभी राज्यों की प्रगति रिपोर्ट जारी की। इसके अनुसार देश में गरीबों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। गरीबों का प्रतिशत वित्तवर्ष 2015-16 के 24.85% से घटकर 2019-21 में 14.96% पर आ गया है। एमपीआई स्वास्थ्य, जीवनस्तर, शिक्षा के आयामों में अभावों को मापता है। रिपोर्ट में 36 राज्यों, संघ शासित प्रदेश, 707 जिलों के लिए बहुआयामी गरीबी के अनुमान दिए हैं।

ग्रामीण इलाकों में संख्या घटी 12

14.5 फीसदी था गरीबी का आंकड़ा साल 2019-21 में

गरीबी में कमी के आंकड़े

उत्तर प्रदेश	3.42 करोड़
बिहार	2.25 करोड़
झारखंड	50 लाख
हरियाणा	14 लाख
उत्तराखंड	09 लाख
दिल्ली	2.1 लाख

गरीबी से बाहर आए लोग

गरीबी में कमी वाले जिले

जिले	आई कमी (% में)
महाराजगंज	29.64
गोंडा	29.55
बलरामपुर	27.90
कौशाम्बी	25.75
खीरी	25.23
श्रावस्ती	24.42
जौनपुर	24.65
बस्ती	23.36